CONSOLIDATED COVERAGE REPORT
State of Working India - 2021

Azim Premji University

Swatantra Vaartha
Date: 11 May 2021

कोरोना महामारी ने भारत में करोड़ों लोगों को गरीबी में धकेला, पाई-पाई के मोहताज हो गए परिवार

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)। कोरोना महामारी ने भारत के करोड़ों लोगों को गरीबी में धकेल दिया है। दरअसल, कोविड-19 को रोकने के लिए लगाए गए लॉकडाउन से लाखों श्रमिकों को अपने रोजगार से हाथ धोना पड़ा है। इससे उनकी बचत खत्म हो गई है और वो पाई-पाई के मोहताज हो गए हैं। परिवार का खर्च चालने के लिए कर्ज लेने को मजबूर होना पड़ रहा है। अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट में कहा गया है कि कोरोना संकट की सबसे बड़ी मार गरीबों पर पड़ी पड़ी है। पिछले साल मार्च से अक्तूबर 2020 के बीच इससे 23 करोड़ गरीब मजदूरों की कमाई 375 रुपये की न्यूनतम मजदूरी से भी काफी कम हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि शहरी इलाकों में गरीबी 20 फीसदी और

ग्रामीण इलाकों में 15 फीसदी तक बढ़ गई है। कोरोना की दूसरी लहर के बाद गरीब वर्ग की हालत और खराब होने की आशंका जताई जा रही है।